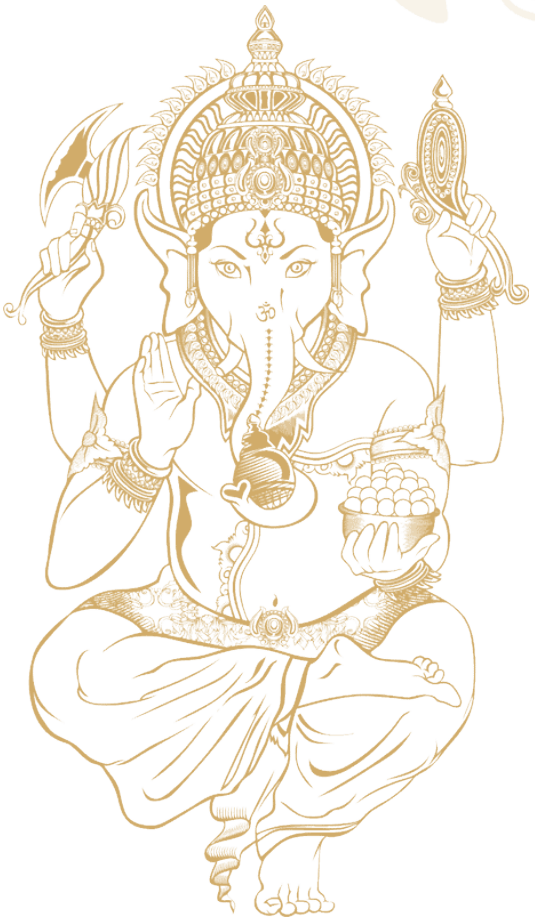

AMAN CHAWALA

21 Mar 1984

10:40 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121145203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/03/1984**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:40:00 घंटे**
इष्ट	10:39:24 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:18:52 घंटे
वेलान्तर	-00:07:11 घंटे
साम्पातिक काल	22:14:30 घंटे
सूर्योदय	06:24:14 घंटे
सूर्यास्त	18:32:50 घंटे
दिनमान	12:08:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:08:38 मीन
लग्न के अंश	24:22:36 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	हर्षण
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजवन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:22:36	352:54:07	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			मीन	07:08:38	00:59:33	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			तुला	29:11:34	13:53:19	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	सम राशि
मंगल			वृश्चि	03:22:04	00:10:10	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध			मीन	19:11:14	01:54:26	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	नीच राशि
गुरु			धनु	16:58:40	00:06:51	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	14:37:25	01:14:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
शनि	व		तुला	22:12:09	00:02:30	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		वृष	15:24:15	00:01:58	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	15:24:15	00:01:58	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		वृश्चि	19:55:41	00:00:09	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	07:44:56	00:00:25	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	07:55:30	00:01:23	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	07:58:21	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:56

लग्न-चलित

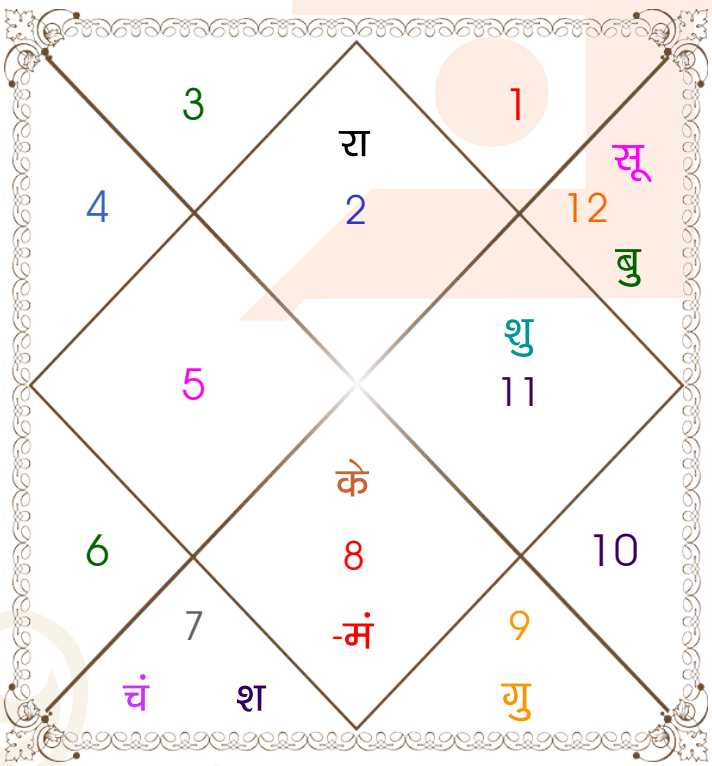

चन्द्र कुंडली

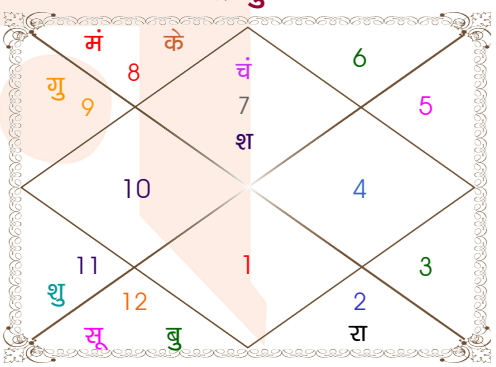

नवमांश कुंडली

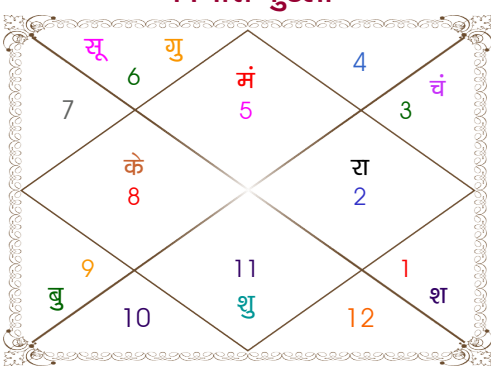

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 4 वर्ष 11 मास 19 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/03/1984		10/03/1989		10/03/2008		10/03/2025		10/03/2032	
10/03/1989		10/03/2008		10/03/2025		10/03/2032		10/03/2052	
	00/00/0000	शनि	13/03/1992	बुध	06/08/2010	केतु	06/08/2025	शुक्र	10/07/2035
	00/00/0000	बुध	21/11/1994	केतु	03/08/2011	शुक्र	06/10/2026	सूर्य	09/07/2036
	00/00/0000	केतु	31/12/1995	शुक्र	03/06/2014	सूर्य	11/02/2027	चंद्र	10/03/2038
	00/00/0000	शुक्र	01/03/1999	सूर्य	10/04/2015	चंद्र	12/09/2027	मंगल	10/05/2039
	21/03/1984	सूर्य	11/02/2000	चंद्र	08/09/2016	मंगल	08/02/2028	राहु	10/05/2042
सूर्य	09/07/1984	चंद्र	11/09/2001	मंगल	05/09/2017	राहु	26/02/2029	गुरु	08/01/2045
चंद्र	08/11/1985	मंगल	21/10/2002	राहु	25/03/2020	गुरु	02/02/2030	शनि	10/03/2048
मंगल	15/10/1986	राहु	27/08/2005	गुरु	01/07/2022	शनि	13/03/2031	बुध	08/01/2051
राहु	10/03/1989	गुरु	10/03/2008	शनि	10/03/2025	बुध	10/03/2032	केतु	10/03/2052

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/03/2052		10/03/2058		10/03/2068		10/03/2075		10/03/2093	
10/03/2058		10/03/2068		10/03/2075		10/03/2093		00/00/0000	
सूर्य	27/06/2052	चंद्र	08/01/2059	मंगल	06/08/2068	राहु	20/11/2077	गुरु	28/04/2095
चंद्र	27/12/2052	मंगल	09/08/2059	राहु	24/08/2069	गुरु	15/04/2080	शनि	08/11/2097
मंगल	04/05/2053	राहु	07/02/2061	गुरु	31/07/2070	शनि	20/02/2083	बुध	14/02/2100
राहु	28/03/2054	गुरु	09/06/2062	शनि	09/09/2071	बुध	08/09/2085	केतु	21/01/2101
गुरु	15/01/2055	शनि	09/01/2064	बुध	05/09/2072	केतु	27/09/2086	शुक्र	22/09/2103
शनि	28/12/2055	बुध	09/06/2065	केतु	01/02/2073	शुक्र	27/09/2089	सूर्य	22/03/2104
बुध	02/11/2056	केतु	08/01/2066	शुक्र	03/04/2074	सूर्य	21/08/2090		00/00/0000
केतु	10/03/2057	शुक्र	09/09/2067	सूर्य	09/08/2074	चंद्र	20/02/2092		00/00/0000
शुक्र	10/03/2058	सूर्य	10/03/2068	चंद्र	10/03/2075	मंगल	10/03/2093		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 0 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।